नब्ज़ देख अल्फ का निश्चय कराना
अल्फ के निश्चय बिना ज्ञान नही देना
अन्तर्मुखता का पुरुषार्थ स्कॉलरशिप का बनाता अधिकारी
अन्तर्मुखी बच्चे होते योगी,लड़ते-झगड़ते नही
चाल बड़ी शानदार रॉयल होती
कर्म में बाप को कितना याद किया ,चार्ट रखना
ड्रामा के राज़ को यथार्त समझ खुशी में रहना
ड्रामा फिर 5000 वर्ष बाद रिपीट होगा
सर्व श्रेष्ठ आत्माओ का संगठन में एक ही शुद्ध संकल्प हो..विजयी बनना
शुद्धि की विधि से ही किला मज़बूत होगा
युक्तियुक्त वा यथार्त सेवा का प्रत्यक्षफल होता खुशी मिलना

ॐ शांति
मेरा बाबा